नयना के सामने मुठ मारी -1

“मुझे लड़कियों, महिलाओं के सामने नंगा होने में और उन्हें अपना नंगा बदन दिखाने में बड़ा मज़ा आता है. इस बार मैंने अपनी नई पड़ोसन को बालकनी में नंगा होकर दिखाया …”

Story By: (aashishjoshi)
Posted: शनिवार, अगस्त 22nd, 2015
Categories: पड़ोसी
Online version: नयना के सामने मुठ मारी -1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नयना के सामने मुठ मारी -1

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा यानि आशीष जोशी का एक बार फिर से नमस्कार..
बहुत दिनों के व्यस्त जीवन के बाद मैं आज और एक सच्ची घटना कहानी के रूप में आपके साथ शेयर करने जा रहा हूँ.. आपको पसंद आई या नहीं मुझे ईमेल पर बताइएगा।
आप मेरी पुरानी कहानियाँ तो पढ़ ही चुके होंगे।

जैसा कि आप पहले से जानते हैं.. मुझे लड़कियां, महिलाएं.. इनके सामने नंगा होने में और उन्हें अपना नंगा बदन दिखाने में बड़ा मज़ा आता है.. जो कि मेरी आदत भी बन चुकी है।

यह भी कहानी उसी आदत के चलते घटी है।
यह बात पिछले महीने की है..एक नया जोड़ा हमारी बाजू वाली बिल्डिंग में किराए से घर लेकर रहने आ गया था। मेरे बेडरूम की बाल्कनी उनकी बाल्कनी के सामने थी।

दोनों छज्जे बिल्डिंग से बाहर की तरफ निकले हुए थे.. इसलिए बीच का फासला काफ़ी कम था।
एक बात अच्छी थी कि दोनों छज्जे बिल्डिंग के पीछे के हिस्से में थे और आज-बाजू पेड़ भी थे.. इसलिए बहुत कम ऐसा होता था कि कोई वहाँ.. जो हो रहा है.. उसे देख सके.. पर दोनों छज्जों में कोई भी खड़ा हो.. तो आराम से एक-दूसरे को अच्छी तरह से देख सकता था।
एक साल पहले वहाँ पर सिर्फ़ कुछ लड़के रहा करते थे.. इसलिए मैं वहाँ ज्यादा ध्यान नहीं देता था।
लगभग एक साल बाद मैंने किसी को उस घर में देखा था.. इसलिए मेरी भी इच्छा होने लगी कि इस घर में कौन रहने आया है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक-दो दिन बीत जाने के बाद मैंने एक स्त्री की आवाज़ उस तरफ से सुनी.. तो मैं समझ गया कि कोई लड़की या महिला तो पक्का रहने आई है.. और मुझे एक नई आइटम 'देखने-दिखाने' को मिल सकती है।

मैं ऑफिस जा रहा था.. इसलिए मैंने बाल्कनी का दरवाजा खोला और सिर्फ़ देखना चाहा कि कौन है.. एक बार देख तो लूँ।
जैसे ही मैंने दरवाजा खोला.. एक शादी-शुदा लड़की फोन पर बातें करती हुई मुझे दिखी।

वो शायद अपनी मम्मी को नई जगह के बारे में बता रही थी.. साथ में उसने ये भी बताया कि उसका पति जॉब पर निकल गया है और अब दिन भर इस नई जगह वो अकेली रह गई थी। वो आगे बता रही थी कि अभी तक टीवी भी नहीं लग पाया है.. इसलिए मोबाइल फोन के अलावा कुछ मनोरंजन का साधन भी नहीं है।

मैंने निहारा कि वो एक स्लीवलैस सलवार कमीज़ पहने हुई थी.. पर दुपट्टा नहीं डाला था।

अभी तो वो मेरी तरफ पीठ किए खड़ी थी.. पर उसके लोकट गले की वजह से मैं उसकी खुली पीठ देख पा रहा था। सलवार-कमीज़ थोड़ी टाइट होने के कारण मैं पीछे से उसकी फिगर का आराम से अंदाज कर सकता था। मेरे ख़याल से उसकी कमर 32 इंच की होनी चाहिए थी और उसके चूतड़ों का नाप 38-40 इंच के बीच होना चाहिए था।

बात करते-करते वो पीछे की तरफ घूमी और अब मैं उसको सामने से देख सकता था… उसका रंग तो गोरा था ही.. पर चेहरा भी बहुत सुंदर था। डार्क लिपस्टिक की वजह से उसके होंठों को मैं ठीक तरह से देख पा रहा था… बहुत बड़े और मस्त होंठ थे उसके।

अब मेरी नज़र नीचे गई.. उसकी गर्दन और फिर मम्मों पर नजर पड़ी.. गर्दन के नीचे उसके दोनों मुलायम चूचे लगभग 36 डी नाप के तो आराम से होंगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसके मम्मे चुस्त टॉप में फंसे हुए थे.. और गला गहरा होने के कारण उसकी क्लीवेज देख कर मुझे बहुत मज़ा आने लगा.. इसलिए मैं थोड़ा आगे बढ़कर खड़ा हो गया।

उसने अब तक मुझे नहीं देखा था.. पर कुछ नीचे गिरा हुआ उठाने के लिए वो नीचे झुकी और उसके डीप नेक की वजह से मुझे उसके क्लीवेज के अलावा भी दूध दर्शन हो गए।

फिर जैसे ही वो ऊपर की तरफ उठी.. तो उसकी नज़र मुझ पर पड़ी और उसने मुझे देख लिया.. हमारी नजरें एक-दूसरे से मिल उठीं।
उसे यह समझने में ज़रा भी वक्त नहीं लगा कि मैं उसका क्या देख रहा हूँ।
वो जल्दी से बात करते-करते ही अन्दर चली गई और उसने दरवाजा बंद कर लिया।
मैं भी अपने कमरे में वापस आया और मैंने बाल्कनी का दरवाजा बंद कर लिया।

अब उसका क्लीवेज मेरी आँखों के सामने घूमने लगा।
उसके टाइट टॉप की वजह से उसके उभार जिस तरह से सामने की ओर तने हुए दिख रहे थे.. वो नज़ारा मैं भूल नहीं पा रहा था।
थोड़े ही पलों का वो दृश्य मेरी आँखों के सामने मंडराने लगा.. मैं मन ही मन खुद को कोस रहा था कि अगर मैं बिना कपड़ों का होता.. तो उसे मेरे लिंग मे होने वाली हरकत भी नज़र आ जाती और मुझे नंगा देख भी लेती..

उसकी बातों से मुझे समझ आ गया था कि वो अकेली है.. यह तो मैं जान ही चुका था.. इसलिए अब मैं सोचने लगा कि कैसे ऑफिस की छुट्टी मारी जाए और आज दिन भर में कम से कम एक बार तो उसके सामने अपना नंगा बदन लेकर कैसे जाऊँ।

उसी कामुक सोच में मैंने ऑफिस के दोस्त को फोन करके बता दिया कि कुछ निजी काम की वजह से मैं या तो देरी से ऑफिस आऊँगा.. या फिर हो सकता है कि मैं आ भी ना सकूँ।
उसने कहा- ठीक है..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और मैंने फोन रख दिया।

अब मैंने अपने पूरे कपड़े उतार दिए.. मैंने देखा कि कुछ हल्के से बाल मेरे लिंग पर और चूतड़ पर उभर आए हैं.. क्योंकि शेव करे हुए अब एक हफ्ता बीत चुका था।

मैं झट से बाथरूम के अन्दर गया और हमेशा की तरह एकदम लौड़े को क्लीन शेव करके वापिस आया.. मैं उसे पूरा क्लीन शेव्ड लण्ड दिखाना चाहता था।

अब मैं बाल्कनी के दरवाजे के पीछे खड़ा रह कर फिर से उसकी कोई हरकत या बात या आवाज़ सुनने की कोशिश कर रहा था।

काफ़ी देर बाद उसने फिर से डोर खोला और तेज हवा की वजह से दरवाजा दीवार पर ज़ोर से टकराया.. और उसकी आवाज़ से मुझे पता चल गया कि वो फिर एक बार बाल्कनी में आई है।

मैंने हल्के से दरवाजे को खोला और छोटी सी दरार से झाँक क़र कन्फर्म किया कि वो बाल्कनी में अकेली ही है।
इस बार वो दुपट्टा डाल कर आई थी और बाल्कनी की रेलिंग के ऊपर झुक कर बातें कर रही थी।

अब मेरी धड़कनें तेज़ हो गई थीं.. अब तक मैं ना जाने कितनी सारी लड़कियों और औरतों के सामने नंगा जा चुका था.. पर पता नहीं क्यों.. इस बार में थोड़ा डर भी रहा था.. शायद दोनों बाल्कनी के बीच का कम फासला भी उस डर का कारण हो सकता था।

मैंने पीछे को सरक कर मेरी बाल्कनी का दरवाजा खोलने के लिए बाहर धकेल दिया..
दरवाजा पूरा खुल चुका था और मैं दीवार का सहारा लिए खड़ा था।
जैसे-तैसे मैंने छज्जे में जाने की हिम्मत जुटा ली और एकदम से बाल्कनी में प्रवेश किया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी धड़कनें बहुत तेज़ हो गई थीं.. उसी के कारण मेरे लिंग में भी ज़्यादा हरकत नहीं थी.. पर जैसे ही मैं बाल्कनी में गया.. उसका ध्यान मेरी तरफ गया।
उसने गर्दन मेरी तरफ मोड़ दी और वो एकदम से बात करना रोक कर मेरी तरफ देख रही थी।

मैं उसके एक्सप्रेशन देख रहा था.. उसकी आँखें चौड़ी हो गई थीं। मुझे पूरी तरह से नंगा देखकर वो चौंक गई थी.. उसने मुझे देख लिया था.. इसलिए मेरी धड़कन अब नॉर्मल हो चुकी थीं और मैं लिंग को सहला रहा था।

उसकी नज़र मेरे हाथ पर पड़ी और वो हल्के सी मुस्कुराई.. शायद छोटा लिंग देखकर मुस्कराई थी।
अब शायद उसे एहसास हुआ कि वो फोन पर भी बात कर रही है और उसने बात फिर से शुरू की.. पर उसकी नज़र बात करते हुए मेरे नंगे शरीर की तरफ देख रही थी।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

अचानक वो मुड़ गई और मेरी तरफ पीठ करके खड़ी हो गई.. दुपट्टा लिए होने के बावजूद उसकी खुली पीठ को मैं देख सकता था और टाइट कपड़ों की वजह से उसके चूतड़ों का आकार भी मैं महसूस कर सकता था।
यह देखकर मेरा लिंग खड़ा होने लगा.. मैंने हाथ से हिलाकर उसको अपने रेग्युलर साइज़ में लाकर उसकी स्किन पूरी तरह से पीछे करके वहीं रुका रहा।

अब मेरा गुलाबी रंग का सुपारा बाहर आ चुका था.. वो अभी भी मेरी तरफ पीठ करके बात कर रही थी.. फिर एकदम से उसने गर्दन मोड़कर पीछे देखा.. शायद वो चैक करना चाहती थी कि मैं वहीं पर खड़ा हूँ.. या कमरे में वापस चला गया हूँ।

मुझे वहीं खड़ा देखकर वो हँस पड़ी और अब मेरी तरफ मुड़ गई.. मेरा तना हुआ लिंग और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ऊपर निकला हुआ सुपारा.. वो देख रही थी।
मैं जान-बूझकर लिंग को एक हाथ से ऊपर उठा कर मेरी गोटियाँ भी उसे दिखा रहा था।

वो मेरी हरकतें देखकर हँसने लगी और शायद जिससे बात कर रही थी.. उसने पूछा होगा कि इतना हँस क्यों रही है.. ?

वो मुझे देखे जा रही थी.. इसलिए अब मैं मुड़ा और उसे अपने क्लीन शेव्ड चूतड़ दिखाने लगा.. इतना ही नहीं मैं जान-बूझकर नीचे झुका और अपने पैरों और चूतड़ों को फैला कर उसे मेरे शेव्ड 'ऐस होल' के दर्शन देने की कोशिश करने लगा।

इस बार वो ज़ोर से हँस पड़ी.. हँसते-हँसते ही बाल्कनी की मेरी तरफ की मुंडेर तक आकर उसने फोन पर कहा- रुक.. मैं थोड़ी देर में कॉल-बैक करती हूँ..

अब फोन कट करके उसने, मैं सुन सकूँ, इतनी तेज आवाज़ में कहा।

वो- अब उठ भी जाओ.. जो तुम दिखाना चाह रहे थे.. मैं वो चीज़ देख चुकी हूँ.. कितनी देर ऐसे ही झुके हुए रहोगे ?

मैं उसके इस सवाल से और बात करने से पूरा चौंक गया था.. मैं उठ कर खड़ा हो गया और उसकी तरफ मुड़कर उसे देखने लगा।

दोस्तो, मुझे आपके पत्रों का इंतजार रहेगा।
कहानी जारी है।
aashishj011@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Indian Pink Girls

URL: www.indianpinkgirls.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India A Sexy Place for Indian Girls. It's first of it's kind launched for Indians. Find everything you read, watch and hear with respect to the women's perspective.

Urdu Sex Stories

URL: www.urduxstories.com **Average traffic per day:** 6 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Story **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex stories & hot sex fantasies.

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Kinara Lane

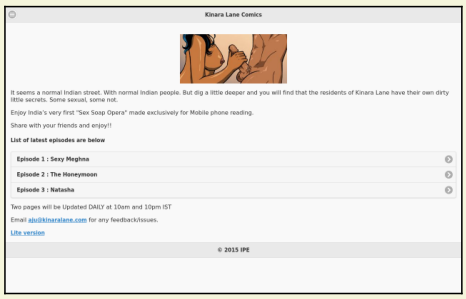

URL: www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Clipsage

URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire